संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति (एस.वाई.ए.) – 2026-27 हेतु दिशा-निर्देश

1. दायरा (Scope)

इस योजना का उद्देश्य भारत में भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, रंगमंच, माइम, दृश्य कला, लोक, पारंपरिक एवं देशज कलाओं तथा लाइट क्लासिकल म्यूजिक के क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण के लिए प्रतिभाशाली युवा कलाकारों को सहायता प्रदान करना है।

2. छात्रवृत्तियों की संख्या (Number of Scholarships)

कुल छात्रवृत्तियों की संख्या: 400

3. वे विषय/क्षेत्र जिनमें छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जा सकती हैं (Subjects / Fields)

A. भारतीय शास्त्रीय संगीत
• शास्त्रीय हिन्दुस्तानी संगीत (गायन एवं वादन)
• शास्त्रीय कर्नाटकी संगीत (गायन एवं वादन)

B. भारतीय शास्त्रीय नृत्य / नृत्य संगीत
• भरतनाट्यम, कथक, कुचिपुड़ी, कथकली, मोहिनीअट्टम, ओडिसी नृत्य/संगीत, मणिपुरी नृत्य/संगीत, थांग-टा, गौड़ीय नृत्य, छाऊ नृत्य/संगीत, सत्त्रिया नृत्य।

C. रंगमंच (Theatre)
• अभिनय, निर्देशन आदि जैसे रंगकला के किसी विशिष्ट पहलू में प्रशिक्षण (नाटक लेखन या शोध को छोड़कर)।
• माइम (Mime)।

D. दृश्य कला (Visual Arts)
• ग्राफिक्स, मूर्तिकला, चित्रकला, क्रिएटिव फोटोग्राफी, मिट्टी एवं सिरेमिक कला, अन्य।

E. लोक, पारंपरिक एवं देशज कला (Folk, Traditional and Indigenous Arts)
• कठपुतली, लोक नाटक, लोक नृत्य, लोक गीत, लोक संगीत, अन्य।

F. लघु-शास्त्रीय संगीत (Light Classical Music)
• ठुमरी, दादरा, टप्पा, कव्वाली, ग़ज़ल
• कर्नाटकी शैली पर आधारित हल्का शास्त्रीय संगीत
• रवीन्द्र संगीत, नज़्रुल गीत, अतुल प्रसाद

(लोक, पारंपरिक एवं स्वदेशी कला की सांकेतिक सूची(

कठपुतली रंगमंच	भक्ति संगीत
छाया कठपुतलियाँ उडीसा की रावणछाया महाराष्ट्र की चामड्याचे बाहुल्ये केरल का थोल पावाकूथू तमिलनाडु के थोलु बोम्मालट्टम आंध्र प्रदेश के थोलु बोम्मालट्टम कर्नाटक का तोगलु गोम्बे अट्टा **रॉड या स्ट्रिंग कठपुतलियाँ** पश्चिम बंगाल का पुतुल नाच राजस्थान की कठपुतली कर्नाटक का गोम्बेयाटा केरल का पावाकथकली तमिलनाडु का बोम्मालट्टम ओडिशा की सखी कुंधेई महाराष्ट्र की कलासूत्री बहुले बिहार का चादर बदर **दस्ताने की कठपुतलियाँ** उत्तर प्रदेश के गुलाबोसिताबो- केरल की पावा कथकली **पारंपरिक रंगमंच** **पारंपरिक लोक कला एवं चित्रकला** **अन्य विविध पारंपरिक रूप** • मणिपुर का पेना लासेई • लोक संगीत (जाति संगीत) • राजस्थान का मांड • गोवा का रणमाल्यम • असम की देवधानी • मध्य प्रदेश की चंदयानी • कश्मीर का भांड जशन • थेय्यम थुरा • धर्मशाला स्थित तिब्बती काया एवं अभिलेखागार के पुस्तकालय में तिब्बती चित्रकला तथा लकड़ी के शिल्प का अध्ययन।	कथाकलाक्षेपम् की हरिकथा थेवरम तिरुपुग़ज़ कावडी चिंदु महाराष्ट्र के भजन और अभंग विभिन्न धार्मिक संप्रदायों के गीत मणिपुर का संकीर्तन बंगाल का बाउल दिव्यप्रबंधम् अरैयर सेवा **लोक संगीत** सभी क्षेत्रों की महिलाओं के गीत बच्चों और बच्चों के लिए गीत महाकाव्यों से संबंधित गीत विभिन्न जातियों के गीत सभी क्षेत्रों की देवी माँ के गीत उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक की विभिन्न प्रकार की लावणी महाराष्ट्र के गौलन दक्षिण के कुरावंजी गीत नागेसी हरदेशी (कर्नाटक) सहित विभिन्न क्षेत्रों का कलगी तुरा गोरवों के गीत (कलगी तुरा के) कर्नाटक और महाराष्ट्र के गोंधल बिंगी पदा (एंटीक पैंटीके) तत्व गीत (एकतारी मेला) किन्नरी जोगी गीत केन-पाड़ा सिग्गीपाडा गुंसिका पद जोकुमारा गीत डोम्बुई दास के गीत (गाथागीत) नीला गारा के गीत पंढरी भजन त्रिवायत (सवाल-जवाब) और माससाया कहानी के गीत लोक और जनजातीय संगीत वाद्ययंत्र एकसाथ बजाए जाने वाले वाद्ययंत्र (पंचमुख-वाद्य, कराडी, माजलू, वलगा, सिट्टी, मेला, छकरी, अंजुमन आदि) *सूची उदाहरणात्मक है और संपूर्ण नहीं है।

छात्रवृत्ति की अवधि एवं शर्तें (Duration and Term of Scholarship)

- अवधि: दो (2) वर्ष
- प्रशिक्षण का स्वरूप कलाकार की पृष्ठभूमि एवं पूर्व प्रशिक्षण को ध्यान में रखकर निर्धारित किया जाएगा।
- प्रशिक्षण सामान्यतः किसी गुरु/विशेषज्ञ या मान्यता प्राप्त संस्थान के अंतर्गत उन्नत स्तर का होगा।
- छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ता को प्रतिदिन कम से कम तीन घंटे का अभ्यास तथा सैद्धांतिक अध्ययन करना आवश्यक होगा।
- प्रत्येक कलाकार को ₹5,000/- प्रतिमाह की दर से दो वर्षों तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिसमें आवास, यात्रा, पुस्तकों, कला-सामग्री, प्रशिक्षण एवं शिक्षण शुल्क आदि का व्यय सम्मिलित होगा।

5. पात्रता की शर्तें (Conditions of Eligibility)

- अभ्यर्थी भारतीय नागरिक होना चाहिए।
- प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त सामान्य शिक्षा प्राप्त होनी चाहिए।
- उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के प्रति समर्पण होना चाहिए।
- चयनित क्षेत्र में दक्षता का स्तर अर्जित किया होना चाहिए (शुरुआती अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं)।
- मान्यता प्राप्त गुरु/संस्थान के अंतर्गत न्यूनतम पाँच वर्षों का सतत प्रशिक्षण अनिवार्य है।
- वर्तमान एवं पूर्व गुरु/संस्थान से प्रमाण-पत्र (यदि हो) आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
- कला रूप का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान पर्याप्त होना चाहिए।

6. सत्र वर्ष 2026-27 के लिए नियम एवं शर्तें (Terms and Conditions for Batch Year 2026–27)

आयु सीमा:

जिन आवेदकों की जन्मतिथि 01.04.2001 से 31.03.2008 (दोनों तिथियाँ सम्मिलित) के बीच है, वे वर्ष 2026–27 के बैच हेतु "युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति पुरस्कार (SYA)" के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

7. आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज़ (Documents to be Submitted)

- शैक्षिक योग्यता के प्रमाणपत्रों (डिग्री, डिप्लोमा आदि) की स्वप्रमाणित प्रति।‘
- जन्मतिथि प्रमाण (10वीं कक्षा प्रमाणपत्र/जन्म प्रमाणपत्र/आधार कार्ड/पासपोर्ट आदि)।
- हाल का पासपोर्ट आकार का फोटोग्राफ।
- दृश्य कला के अभ्यर्थियों हेतु – अपने मूल कार्यों के फोटोग्राफ की स्वप्रमाणित प्रतियाँ (न्यूनतम योग्यता: बी.एफ.ए. या समकक्ष)।
- गुरु/संस्थान द्वारा हस्ताक्षरित न्यूनतम 5 वर्षों के प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र।
- एक से अधिक क्षेत्र में आवेदन करने पर अलग-अलग आवेदन प्रपत्र आवश्यक हैं।

8. आवेदन प्रक्रिया (Application Procedure – Offline Only)

पूर्णतः भरा हुआ आवेदन पत्र और आवश्यक स्वप्रमाणित दस्तावेज़ डाक द्वारा भेजें।
साक्षात्कार के समय आवेदन की प्रिंट प्रति एवं परियोजना प्रस्ताव साथ लाना अनिवार्य है।

9. आवेदन भेजने का पता (Submission Address)

निदेशक,
सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र (सी.सी.आर.टी.)
15-ए, सेक्टर–7, द्वारका, नई दिल्ली – 110075

लिफाफे पर स्पष्ट रूप से लिखें:

“Application for SYA Scheme 2026–27 – Offline Mode”

10. सामान्य निर्देश (General Instructions)

- केवल ऑफलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। ईमेल द्वारा आवेदन स्वीकार नहीं होंगे।
- अधूरे, अपूर्ण अथवा बिना हस्ताक्षर वाले आवेदन अस्वीकृत किए जाएंगे।
- एक से अधिक विषयों के लिए अलग-अलग आवेदन आवश्यक हैं।
- मूल दस्तावेज़ न भेजें।

11. चयन प्रक्रिया (Selection Process)

- चयनित अभ्यर्थियों को विशेषज्ञ समिति के समक्ष ऑनलाइन आयोजित किए जाने वाले साक्षात्कार/प्रदर्शन परीक्षण के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- साक्षात्कार की तिथि, समय एवं लिंक ईमेल के माध्यम से सूचित किए जाएंगे।
- चयन केवल गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर किया जाएगा।
- समिति अधिकतम 400 कलाकारों की अनुशंसा करेगी।
- परिणाम सीसीआरटी एवं संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।
- पात्रता न मिलने पर छात्रवृत्ति रद्द की जा सकती है एवं दी गई राशि वापस ली जा सकती है।
- प्रत्येक कलाकार को छह माह में एक प्रगति रिपोर्ट गुरु के हस्ताक्षर सहित प्रस्तुत करनी होगी।

12. आवेदन की अंतिम तिथि (Last Date to Apply)

आवेदन 31 जुलाई, 2026 तक सीसीआरटी, नई दिल्ली को प्राप्त हो जाने चाहिए। इसके बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

13. पुरस्कार वितरण (Disbursement of Award)

सभी स्वीकृत छात्रवृत्तियाँ सीधे भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय द्वारा कलाकारों को वितरित की जाएंगी।

टिप्पणी:

मंत्रालय को किसी भी आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।